हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

(*Indian Council of Forestry Research & Education*)

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तनिकाय)

(An Autonomous Body of the Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Government of India)

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा रझाना पंचायत, शिमला के लोगों के लियभारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हिमाचल प्रदेश ने भारत सरकार की एक पहल आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 27 अगस्त, 2021 को संस्थानकेसभागार में 'ग्रामीणो के लिए पर्यावरण जागरूकता' विषयपरकार्यक्रम का आयोजन किया।इस कार्यक्रम में रझाना पंचायत के प्रधान, उपप्रधानसहित 25 ग्रामीणों ने भाग लिया । इसके अलावा संस्थान के वैज्ञानिक,अधिकारी,अनुसंधान कर्मचारीऔर संस्थान के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों में कार्यरत कर्मचारियों ने भी प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम द्वारा इस कार्यक्रममें भाग लिया ।**डॉ॰जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ,प्रभागाध्यक्ष,विस्तारप्रभाग**ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुये रझाना पंचायत के प्रधान श्रीमती रीना ठाकुर,उप प्रधान श्री मुकुन्द मोहन शांडिल, वार्ड सदस्यों तथा अन्य ग्रामीणों सहित मौजूद सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आभासी माध्यम द्वारा जुड़े सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुये 'भारत का अमृत महोत्सव' पर पृष्ठभूमि और कार्यक्रम के बारे में प्रकाश डाला । **डॉ॰ एस॰ एस॰ सामंत, निदेशक,**हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने **'सतत विकास के लिए उत्तर-पश्चिमी हिमालय में जैव विविधता के संरक्षण'**के विषय में जानकारी दी । **डॉ॰ सामंत**ने बताया कि भूमंडलीय ताप बढ़ने से ग्लोबल वार्मिंग हो रही है , जिसमें हिमालय क्षेत्र में जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पढ़ रहा है । अतः यह जरूरी हो गया है, वनों को बचाया जाए।**डॉ॰जगदीशसिंह, वैज्ञानिक-एफ**नेबागवानी फसलों के साथ औषधीय पौधों को अंतरवर्तीय फसलों को उगाने के बारे में बताया । **डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-जीएवं समूह समन्वयक अनुसंधान**ने इसी श्रृंखला में विभिन प्रकार के प्रदूषणों के दुष्प्रभावों तथा इनके प्रभाव को कम करने की जानकारी सांझा की । उन्होंने आधुनिक और वैज्ञानिक तरीके से नर्सरी तकनीक के महत्व और जैविक खेती के बारे में विस्तार से बताया ।इसके बादकार्यक्रममें आए ग्रामीणों और वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों के साथ आम चर्चा हुई । **डॉ॰ एस॰ एस॰ सामंत, निदेशक,**हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने लोगों को औषधीय पौधे उगाने एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा आश्वासन दिया की संस्थान इसमें पूरा सहयोग करेगा । **डॉ. जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी** ने श्रीमती रीना ठाकुर,प्रधान,श्री मुकन्द मोहन शांडिल,उप प्रधान, वार्ड सदस्यों तथा अन्य ग्रामीणों का कार्यक्रम में भाग लेने और सुझाव देने हेतु धन्यवाद दिया । उन्होनें सभागार में मौजूद सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आभासी माध्यम द्वारा जुड़े प्रतिभागियों का भी सक्रिय भागीदारी तथा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया ।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
ग्रामीणों हेतु पर्यावरण जागरूकता अभियान

आज़ादी का अमृत महोत्सव
ग्रामीणों हेतु पर्यावरण जागरूकता अभियान
दिनांक : 27 अगस्त, 2021

आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारत की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के
अवसर पर महोत्सव का आयोजन
ग्रामीणों हेतु पर्यावरण जागरूकता अभियान
दिनांक : 27 अगस्त, 2021
स्थान : सभागार, हि.व.अ.सं. पंयाघाटी, शिमला

आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारत की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के
अवसर पर महोत्सव का आयोजन
ग्रामीणों हेतु पर्यावरण जागरूकता अभियान
दिनांक : 27 अगस्त, 2021
स्थान : सभागार, हि.व.अ.सं. पंयाघाटी, शिमला

HCL

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारत की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के
अवसर पर महोत्सव का आयोजन
ग्रामीणों हेतु पर्यावरण जागरूकता अभियान
दिनांक : 27 अगस्त, 2021 | स्थान : सभागार, हि.व.अ.सं. पंथाघाटी, शिमला
आयोजक : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान